भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3212 का उत्तर

अवाडी-श्रीपेरंपुदुर- गुडुवनचेरी नई रेलवे लाइन

3212. श्री टी. आर. बालू:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 2013 में 60 किलोमीटर लंबी अवाडी-श्रीपेरुमपुदुर-गुडुवनचेरी नई रेल लाइन परियोजना का कार्य स्वीकृति मिलने के पश्चात अभी तक शुरू नहीं हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) चेन्नई शहर के आस-पास के प्रमुख औद्योगिक समूहों को जोड़ने वाली 600 करोड़ रुपये की इस महत्वपूर्ण परियोजना के कब तक पूरा होने की संभावना है;

(ग) 12 वर्ष बीत जाने के बाद भी परियोजना निर्माण कार्य शुरू न किए जाने के कारणों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या 58 करोड़ रुपए का बजट आवंटन किया गया है और यदि हां, तो इस निधि का उपयोग न किए जाने का ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): चेन्नै के रास्ते आवडी और गुडुवांचेरी पहले से ही जुड़ा हुआ है।

अतिरिक्त संपर्कता प्रदान करने के लिए, आवडी-श्रीपेरुम्बुदूर-इरुंगट्टुकोट्टई-गुडुवांचेरी का अंतिम स्थान सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है। वास्तविक सर्वेक्षण और यातायात अध्ययन पूरा हो चुका है। यातायात अनुमानों के आधार पर, गुडुवनचेरी-इरुंगट्टुकोट्टई-श्रीपेरुम्बुदूर नई लाइन (34 कि.मी.) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के बाद, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और अपेक्षित अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि का मूल्यांकन अपेक्षित होता है।

<u>तमिलनाडु:-</u>

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन इस प्रकार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	6,626 करोड़ रु. (7.5 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली ₹22,808 करोड़ की लागत वाली कुल 1,700 किलोमीटर लंबाई की 15 परियोजनाएं (09 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 03 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं। इनका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक चालू की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ ₹ में)
नई लाइन	9	812	24	1,337
आमान परिवर्तन	3	748	604	3,471
दोहरीकरण/बहुपथन	3	140	37	2,783
कुल	15	1,700	665	7,591

रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः तौर पर आने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ ₹ में)
1	डिंडीगुल-पलानी-पोल्लाच्चि आमान परिवर्तन (121 किलोमीटर)	610
2	पोल्लाच्चि-पालघाट आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	350
3	पोल्लाच्चि-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 किलोमीटर)	400
4	क्विलोन-तिरुनेलवेली-तिरुचेंदुर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1122
5	मयिलादुतुरई-थिरुवरुर-कराइक्कुडी आमान परिवर्तन (187 किलोमीटर)	1338
6	मदुरै-बोडियाकन्नूर आमान परिवर्तन (90 किलोमीटर)	593
7	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	670
8	तिरुवल्लूर-अराक्कोनम चौथी लाइन (27 किलोमीटर)	83
9	चेन्नई सेंट्रल-बेसिन ब्रिज दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	31
10	तंजावुर-पोनमलई दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	370
11	विल्लुपुरम-डिंडीगुल दोहरीकरण (273 किलोमीटर)	2000
12	चेन्नई बीच-कोरुक्कुपेट तीसरी लाइन (5 किलोमीटर)	168
13	चेन्नई बीच-अट्टीपट्टू चौथी लाइन (22 किलोमीटर)	293
14	ओमलूर-मेत्तूरडैम कहीं-कहीं दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	327
15	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम और तांबरम-चेंगलपट्टू तीसरी लाइन (133 किलोमीटर)	1122
16	सेलम-मैग्नेसाइट जंक्शन-ओमालुर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	115
17	मदुरै- मनियाची-तूतीकोरीन दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	1891
18	मनियाची-नागरकोविल दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1752
19	चेन्नई बीच- चेन्नई एग्मोर दोहरीकरण (4 किलोमीटर)	272
20	कारैक्काल - पेरलम नई लाइन (23 किलोमीटर)	373
21	कारैक्काल पत्तन के लिए उत्तरी छोर पत्तन रेल-संपर्क (1 किलोमीटर)	18

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली कुछ परियोजनाओं, जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ ₹ में)
1	टिंडीवनम-नगरि नई लाइन (184 किलोमीटर)	3631
2	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	359
3	नागपट्टिनम-तिरुतुरईपुंडी नई लाइन (43 किलोमीटर)	742
4	तिरूवनंतपुरम- कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	3785
5	अराक्कोनम यार्ड तीसरी और चौथी लाइन (6 किलोमीटर)	98
6	पेरम्बूर और अम्बातूर स्टेशन पांचवीं और छठी लाइन परियोजना (6 किलोमीटर)	178
7.	इरुगुर-पोत्तनूर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	277
8.	तांबरम-चेंगलपट्टू चौथी लाइन (30 किलोमीटर)	757
9.	अटिपट्टू-गूम्मिडिपूण्डी तीसरी और चौथी लाइन (23 किलोमीटर)	375
10.	तिरुपति-पाकाला-काटपाडी दोहरीकरण (105 किलोमीटर)	1332
11.	तिण्डिवनम-सेंजी-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	1400
12.	अटिपट्टू-पुत्तूर नई लाइन (88 किलोमीटर)	1700
13.	महाबलिपुरम के रास्ते चेन्नै-कडलूर नई लाइन (179 किलोमीटर)	2670

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली कुल 2,478 किलोमीटर लंबाई के 29 सर्वेक्षण (06 नई लाइन और 23 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4,326 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	1,052 हेक्टेयर (24%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3,274 हेक्टेयर (76%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की जाने वाली भूमि (हेक्टेयर में)
1.	टिंडीवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	276	33	243
2.	अटिपट्टू-पुत्तुर नई लाइन (88 किलोमीटर)	189	0	189
3.	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	92	45	47
4.	मन्नारगुडी-पट्टुकोट्टई नई लाइन (41 किलोमीटर)	196	0	196
5.	तंजावूर-पट्टुकोट्टई नई लाइन (52 किलोमीटर)	152	0	152

इसके अलावा, रामेश्वरम-धनुषकोडी नई लाइन (18 किलोमीटर) को ₹ 734 करोड़ की लागत पर स्वीकृत किया गया था। परियोजना की आधारशिला दिनांक 01.03.2019 को रखी गई थी। बहरहाल, परियोजना को शुरू नहीं किया गया था क्योंकि तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं किया गया है।

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, बहरहाल, इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मापदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा उपलब्ध कराया गया प्रथम और अंतिम मील संपर्क**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध कराना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें**
- **रेलवे की परिचालनिक आवश्यकताएँ**

- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वानिकी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******